बिहार विधान-सभा वादवृत

(भाग—१—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

वृहस्पतिवार तिथि १३ दिसम्बर, १९७३ ।

विषय-सूची

	पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर—बिहार विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्यसंचालन नियमावली के नियम ४।। के परन्तुक के अन्तर्गत प्रश्नों के लिखित उत्तरों का सभा-मेज पर रखा जाना ।	१
प्रश्नों के मौखिक उत्तर	
अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर संख्या—३१—३४ ...	१—१३
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या—३९३, ४०१, ४०३, ४०५, ४०८, ४१०, ४१२, ४१४, ४१५, ४१६, ४२०, ४२५, ४२७, ४२९, ४३१, ४३३, ४३४, ४३७, ४३९, ४४२, ४४८, ४४९, ४५५, ४५६, ४६४, एवं ४७३ । ...	१३—४८
परिशिष्ट	४९-६४
परिशिष्ट (विवरणी)—१ ...	६५-९६
परिशिष्ट—२ (प्रश्नों के लिए उत्तर)	९७-११४
दैनिक निबंध ...	११५-११६

टिप्पणी—किसी मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है ।

नाले का निर्माण

४४८। सुरेन्द्र झा सुमन—क्या मंत्री, लघु सिंचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) दरभंगा जिले के बहादुर प्रखण्ड एवं दरभंगा प्रखण्ड में कितने राजकीय नलकूप कहाँ-कहाँ कब बोरिंग किये गये और उसके लिये नाले का निर्माण कहाँ तक हो पाया है;

(२) यदि अभी तक नाले का निर्माण नहीं हो पाया है, तो सरकार उसे कबतक बनवाने का विचार रखती है।

श्री थियोडर बोदरा—(१) सूची संलग्न है।

(२) नाले निर्माण का शेष कार्य निधि की व्यवस्था तथा सिमेन्ट की उपलब्धि पर निर्भर करता है।

सूची

(देखें ता० प्र० सं० ४४८ के खंड १ का उत्तर)

नये १५०० नलकूप जो आपातकालीन योजना के अन्तर्गत गाड़े गये।

क्रमांक	स्थान का नाम	प्रखंड का नाम	छिद्रण की तिथि	नाला का काम प्रगति में कच्चा	पक्का
१.	देवली	बहादुरपुर	१२-१-१९७३	४०००	—
२.	पिगो	,,	२३-१-७३	४०००	—
३.	वासदेवपुर	,,	८-२-७३	५५००	—
४.	गन्नोरिया	,,	७-२-७३	६५००	—
१.	कबीर चक	दरभंगा	१८-१-७३	९५००	—
२.	लोम	,,	१९-१-७३	९०००	—
३.	अदलपुर	,,	३०-१-७३	१५००	—
४.	रूचौल	,,	२१-१-७३	३०००	—

क्रमांक	स्थान का नाम	प्रखण्ड का नाम	छिद्रण की तिथि	नाला का काम प्रगति में कच्चा	पक्का
५.	खरथुआ	दरभंगा	२२-१-७३	६०००	—
६.	देवारो	,,	२२-१-७३	३५००	—
७.	सोनाकी	,,	२४-१-७३	४०००	—
८.	अतीहार	,,	८-२-७३	३००	—
९.	मनोहार	,,	९-२-७३	१००००	—

पुराने नलकूपों की सूची

१.	बाजीतपुर	वहादुरपुर	२३-३-७२	१५००	—
२.	कबीलपुर	,,	२६-६-६९	७५००	—
३.	भरत खरगपुर	,,	१४-६-७०	८२००	—
४.	अब्दुल्लाहपुर	,,	९-६-७०	५१००	—
५.	सरनर गोपाल	,,	२२-४-७२	६८००	—
१.	मुरीयातर सरी	दरभंगा	५-६-७०	८०००	२५००
२.	गौरा घाट	,,	१६-६-७०	६०००	—

नलकूप की व्यवस्था

४४९। **श्री बनवारी राम**—क्या मंत्री, कृषि (ल० सिं०) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि

क्या यह बात सही है कि पटना नलकूप प्रमंडल में नियुक्त श्री शशिभूषण गीरी, नलकूप कलर्क तीन-तीन बार निलम्बित हो चुके हैं, यदि हां, तो क्या तथा वैसे व्यक्ति को नौकरी में रखने का औचित्य है ?

श्री थियोडर बोदरा—यह सही है कि श्री शशिभूषण गिरि तीन बार कार्यपालक अभियन्ता प्रमण्डल, पटना के द्वारा निलम्बित किये गये थे। प्रथम दो बार उनका पुनर्स्थापना कार्यपालक अभियन्ता, नलकूप प्रमण्डल, पटना के द्वारा किया